

त्मेपोत्तरपिण मेघवर्षेण राजता MBh. 3, 1831. 4, 190. राजत्तीम् — नलिनी-
मिव सर्वतः R. 2, 93, 4. राजत्कुण्डलमाला 3, 42, 43. (गिरिम्) राजत्समुच्छ्र-
तैः प्रज्ञैः 4, 41, 40. शङ्खचक्रगदापद्मराजदुज्जचतुष्टय Pāṇḍ. 3, 11, 21, 12,
12, 13, 4. Prāb. 81, 4. राज्ञ कुत्त्या मात्र्या च पाण्डुः सह वने चरन् । को-
एवारिव मध्यस्थः श्रीमान्पौरदेरा गजः ॥ MBh. 1, 4477. 2, 695. 3, 7. Hariv.
3968. R. 1, 1, 32. राज्ञ सुभृशं यज्ञः कल्पवृत्तैरिवोच्छ्रितैः R. Gorr. 1, 13,
27. न राज्ञ शशी चापि 2, 40, 16. 5, 5, 26. Ragh. 3, 7. 6, 6. रणानितिः —
राज्ञ मृत्योरिव पानभूमिः 7, 46. 12, 100. Kumāras. 1, 38. Kathās. 18, 404.
27, 13. Bhāg. P. 8, 13, 9. Bhāṭṭ. 9, 61. तानि प्रस्तान्यनीकानि रेवुरर्जुन-
मार्गणिः । शैलं प्रति वलाधाणि व्याप्तानोवार्करश्मिभिः ॥ MBh. 4, 1703.
1705. R. Gorr. 2, 60, 16. 31, 18. 6, 70, 11. Ragh. 10, 60. 11, 7. Kathās. 22,
3. Bhāg. P. 4, 10, 19. 8, 10, 15. Bhāṭṭ. 2, 2. 14, 7. med.: तत्र स्म राजते
भैमो सर्वभरणभूषिता । सखीमध्ये ऽनवाद्याङ्गी विद्युत्सौदामनी यथा ॥
MBh. 3, 2083. एषा गङ्गा सप्तविधा राजते 10821. उपगीयमाना ध्रमेरै राज-
ते वनराज्यः 11606. R. 2, 66, 22. माल्यापणेषु राजते नाद्य पाणानि वै
तथा 71, 27. 76, 9. R. Gorr. 2, 107, 14. Māh. 1, 7. Vikr. 160. सता ऽपि
हि न राजते दरिद्रस्येतेर गुणाः Spr. 3120. मुक्ताकरतया in der Gestalt
von 3132. 3842. प्रतिशशी च यदा दिवि राजते Varāh. Brh. S. 28, 11. Ka-
thās. 27, 136. क्लृप्तत्वापि राजते 47, 111. नूतेन काचिद्राजते 113. Weber,
Rām. Up. 286. राजते तावदन्यानि पुराणानि सतां गणे । यावद्भागवतं
नैव श्रूयते Bhāg. P. 12, 13, 14. Mārk. P. 31, 65. Prāb. 41, 10. तोयदेषु य-
था — राजमाना शतरूढा MBh. 6, 4542. सूक्ष्मस्त्रधरं रेजे जघनम् 3,
1827. Kumāras. 6, 49. गुरुणा स्तनभरिणा मुखचन्द्रेण भास्वता । शनैश्चरा-
भ्यां पादाभ्यां रेजे प्रक्रमयोव ॥ Spr. 863. 2211. सुतप्रवुद्धमिव तद्रेजे रा-
जगृहं ततः Kathās. 14, 21. 21, 14. 27, 8. 39, 160. Rāgā-Tar. 4, 514. Bhāg.
P. 3, 19, 3. 8, 15, 35. — partic. राजित (könnte auch zum caus. gezogen
werden) sich auszeichnend, prangend, glänzend, verschönert: वनोरा-
जितकौस्तुभ Hariv. 13778. (ध्वजः) विचित्रवर्णविचलद्वैजयन्तीव राजितः
Kathās. 81, 35. विहंगमैः । गुञ्जद्विरित एहीति वदद्विरिव राजितम् (वनम्)
71, 195. Bhāg. P. 4, 6, 18. Kāv. 3, 10. Bhāṭṭ. 17, 101. बाणिः — गार्ध-
राजितैः (vgl. u. गार्धवाजित, auch in den Nachträgen) MBh. 3, 12230.
कङ्क (कङ्कतेजित die neuere Ansg.) Hariv. 9318. Kir. 5, 9. रत्नं Ka-
thās. 12, 154. हारिकेशू 26, 232. 33, 211. 43, 9. विकीर्णकूलदुमराजि-
तासु नदीषु MBh. 13, 522. (सरः) जलोर्मिरवराजितम् Catr. 1, 60. उल्लस-
न्मतकोकिलारावराजिते मधूत्सवे Kathās. 35, 5.

— caus. walten, herrschen: श्रुधिराज्ञो राजंसु राजयति (°ति TS.)
AV. 6, 98, 1.

— अति hinfahren über: सद्यो यः स्यन्दे विधिंते धवनीयानूपो न ता-
पुरति धन्वां वा RV. 6, 12, 3.

— अनु nachahmen: उभे वाचौ वदति साम्ना इव गायत्रं च त्रैफुभं चानु
राजति RV. 2, 43, 1. सेमो विराजमनु राजति छुप्य 9, 96, 18.

— अभि med. prangen: एतस्यारसि मुच्यन्ते श्रौवत्समभिराजते MBh.
3, 10960.

— उप an zwei verdorbenen Stellen, nämlich MBh. 9, 3608 und Pāṇ-
ḍ. V, 12; an der ersten Stelle ist mit der ed. Bomb. zu lesen: न वि-
मतिं काचिद्विज्ञा तु पराजितः, an der zweiten mit Bülller: आ जन्मनः
स्मरोत्पत्तौ मानसेनेषरपितम्.

— निम् caus. 1) prangend machen, erglänzen lassen: श्रसृष्टचरणा

ह्यस्य चूडामणिमरीचिभिः । नीराजयति भूपालाः पादपीठात्भूतलम् ॥ Prāb.
23, 6. 7. अमरचयचमूचक्रचूडामणिश्रेणिनीराजितोपात्तपादद्वयाम्भोज 81, 3.
2, 3. दिव्यास्त्रस्फुरडयदोधितिशिखानोराजितस्य धनुः Uttarab. 111, 14
(150, 12). — 2) die नीराजन genannte Cerimonie vollziehen an (acc.): नी-
राजयित्वा सैन्यानि प्रयाति विजिगीषवः (पृथिवीजितः) Hariv. 3840. राजा
नीराजितः Varāh. Brh. S. 44, 22. नीराजितक्यद्विप Kām. Nitīs. 4, 66.

— परि nach allen Seiten hin Glanz verbreiten: प्रभया परिराजत्सम्
(मृगम्) R. 3, 49, 3. वृताः सुहृद्भिः परिरेजुराजता यथा सदस्यैर्भषिभिस्त्रयो
ऽग्रयः 2, 112, 33. सर्वतो हनुमानेकः संपतन्परिराजते । ऊताशन इवाकाशे
ज्वालामालापरिष्कृतः ॥ 5, 52, 7.

— प्रति in seinem Glanze erscheinen wie (इव): अनुपोपवनेः कान्तिः
कात्ता जनमनोरमा । सतारका द्यौरिव सा द्वारका प्रत्यराजते ॥ Hariv. 6345.

— वि 1) = simpl. 1): वृक्षमृत्काल उर्विया वि राजय RV. 5, 53, 2. 1,
188, 4. 3, 10, 7. स दर्शयस्व वपुषो वि राजसि 10, 140, 4. वोरस्य 139, 6. दे-
वानाम् AV. 1, 10, 1. 19, 42, 4. वि ते मदा श्रानिषुः bemeisterten dich 8,
14, 10. मन्दातो अस्व वृक्षेषो वि राजसि 13, 4. 13, 5. धियो विश्वा वि रा-
जति 1, 3, 12. पुत्रायना सहसा वि राजसि bemeistern 5, 8, 5. विश्वं भुवनम्
63, 7. रोभो न पूर्वोक्षेषो वि राजति 9, 71, 7. 10, 170, 1. त्रिंशद्वाम 189, 3.
वि पर्वतेषु राजय 8, 7, 1. श्रमिः प्रियेषु धामसु सञ्चोको वि राजति VS. 12,
117. AV. 2, 36, 3. 3, 4, 1. उग्रो विराजन्तप वृद्ध शत्रून् 12, 6. 14, 1, 22. 5, 16.
14, 1, 64. यो वाव सर्वासु दिनु विराजति स एव विराजति Cat. Br. 8, 5, 4,
5. लेके Ait. Br. 1, 5. पर्वमानो (सोमः, der auch राजन् ist) वि राजति RV.
9, 5, 1. रयिर्वि राजति ह्यमान 3. 61, 18. — 2) = simpl. 2); act.: विराज-
ति प्रज्ञया पशुभिर्ब्रह्मचरसा Kāṇḍ. Up. 2, 16, 2. व्याराजत्कालिनस्तत्र सूर्या-
श्रुप्रतिरञ्जितः MBh. 1, 1412. विराजति यथा सोमो मेधैर्भुक्तः 3, 8106. 8148.
एषा भागीरथी — वातेरिता पताकैव विराजात नभस्तले 8646. R. 2, 97,
19. R. Gorr. 2, 103, 6. 106, 16. 3, 32, 31. ह्य्यावुपचितो वृत्तो संहृत्तो तौ
(पयोधरौ) विराजतः 52, 25. 4, 44, 56. 5, 67, 13. R. ed. Bomb. 4, 40, 53. Spr.
2277. शीलं शौचं तान्तिर्दानिपयं मधुरता कुले जन्म । न विराजति हि सर्वे
वित्तहीनस्य पुरुषस्य ॥ 2992. Cic. 9, 62. मृडकुञ्चिनदीर्घेण कुमुमेत्कर-
धारिणा । केशकृस्तेन ललना जगामाथ विराजतो ॥ MBh. 3, 1822. 2137.
12068. सोमे मन्दरश्मौ विराजति Hariv. 4356. सूर्ये विराजति 4897. R. 5,
11, 1. 45, 2. 6, 84, 27. कारकमलविराजत्स्वायुधा Pāṇḍ. 3, 8, 2. Bhāṭṭ. 6,
143. सह सीतया । विराज मन्वाङ्कुश्रियेव निशाकरः R. 3, 23, 11.
Ragh. 2, 20. 15, 10. Rāgā-Tar. 6, 279. कृष्णयानुतिो तत्र नवीरौ तौ विरे-
जतुः MBh. 1, 7125. R. 1, 19, 12. 2, 104, 30. 3, 56, 32. Kathās. 18, 6. 19, 68.
34, 32. Bhāṭṭ. 11, 21. — med.: अनुसंवत्सरं ज्ञाता अपि ते कुरुसत्तमाः ।
पाण्डुपुत्रा व्यराजत पञ्च संवत्सरा इव ॥ erschienen wie MBh. 1, 4856.
एतस्मात्कारणात् — हरिश्चन्द्रे विराजते । तेषो राजसहस्रेभ्यः uberra-
gen 2, 496. विमानस्थो विराजते 3, 8138. एष तस्याश्रमः पुण्यो य एषो ऽग्रे
विराजते 10510. चन्द्रविस्पर्धिना देवि मुखेन त्वं विराजसे 4, 189. 238. 1043.
यथासा 13, 1707. गुणाः 5898. R. 1, 13, 29. 2, 63, 17. 80, 21. 94, 6. R. Gorr.
2, 8, 43. 26, 12. 59, 17. 3, 52, 30. 4, 2, 15. 6, 92, 83. Kām. Nitīs. 8, 2. 87. Spr.
1271. 3347. 4163. 4409. (वाक्) प्रिया वा मधुरा वा तु स्वाम्येषेव विरा-
जते so v. a. am Platze sein 4600. 5193. Kir. 5, 16. Kathās. 23, 173.
Rāgā-Tar. 4, 401. Bhāg. P. 2, 9, 12. 3, 13, 39. 9, 5, 8. Verz. d. Oxf. H. 148,
6, 8. नागाश्च भूमिदराजिविराजमानाः Spr. 2916. Rāgā-Tar. 6, 317. Bhāg.
P. 8, 15, 5. Prāb. 21, 18. सौभाग्यचिह्नमिव मूर्ध्नि पदं विरेजे Spr. 3248.